अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी की अध्यक्षता में 30-31 जुलाई 2011 को मध्य प्रदेश की पावन नगरी उज्जैन के होटल मित्तल एवेन्यू में आयोजित की गई। दो दिवसीय इस बैठक की शानदार मेजबानी जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्य प्रदेश (जंप) ने की । बैठक में एनयूजे के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, विशेष आमंत्रित सदस्यों और ज्यादातर राज्य इकाइयों के अध्यक्ष-महासचिव सहित 150 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत में दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष और हिन्दुस्तान के वरिष्ठ सहायक संपादक श्री प्रदीप संगम और अन्य पत्रकारों के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि और विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टी आर थापक ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में मालवांचल हमेशा से अग्रणी रहा है। इस क्षेत्र से पं.सूर्यनारायण व्यास से लेकर श्री राजेंद्र माथुर और श्री प्रभाष जोशी ने पत्रकारिता जगत में अपना लोहा मनवाया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट पत्रकारों के प्रशिक्षण एवं उनकेउत्थान केलिए निरंतर प्रयासरत है। पत्रकारिता जगत में पत्रकारों की भी समस्याओं के निराकरण के लिए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं।

श्री थापक ने कहा है किशिक्षा के बढ़ते प्रचार-प्रसार के साथ ही मीडिया की पहुंच लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मौजूदा दौर में मीडिया की जिम्मेदारी और चुनौतियां ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कि मीडिया को अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखना होगा। इस विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी ने क्हा कि मीडिया की बढ़ती ताक्त के साथ ही हमारी जिम्मेदारी बढ़ रही है। मीडिया की साख बनाए रखने में एनयूजे के नेताओं और सदस्यों ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि एनयूजे पत्रकारों के हक की लड़ाई लड़ने के साथ ही स्वस्थ पत्रकारिता की पक्षधर है। एनयूजे के राष्ट्रीय महासचिव रासविहारी ने कहा किउनका संगठन देश में पत्रकारों पर बढ़ते हमलों को लेकर चिंतित है। एनयूजे ने मुंबई और छत्तीसगढ़ में पत्रकारों की हत्या के विरोध में देशव्यापी आंदोलन चलाया। इस बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रपति को एक ज्ञापन देकर कानून बनाने की मांग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एनयूजे की एक लोकतांत्रिक परम्परा है।

देश के ऐसे अन्य संगठनों के मुकाबले हमारी साख ज्यादा है। एनयूजे में हर दो साल बाद नियमित रूप से चुनाव होते हैं। अपने लोकतांत्रिक स्वरूप के कारण एनयूजे में सामूहिक नेतृत्व की परम्परा कायम हैं। हम-सब चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए मिलजुल कर फैसला करते हैं।

जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्य प्रदेश (जंप) के अध्यक्ष श्री सुरेश शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जंप ने राज्य में पत्रकारों को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई है। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने पत्रकारों की भलाई के लिए कई काम किए हैं। वर्तमान में समाचार-पत्र अधिक संख्या में निकल रहे हैं। पत्रकारिता में डिग्री होल्डर पत्रकार बढ़े हैं किंतु अनुभव की कमी के कारण पत्रकारों को कई प्रकार की समस्याएं आ रही हैं। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स में बड़ी संख्या में अनुभवी पत्रकारों से भरी हुई है। उनके अनुभवों का लाभ नए पत्रकारों को मिल रहा है। एनयूजे के उपाध्यक्ष श्री रामभुवन सिंह कुशवाह ने सभी अतिथियों का आभार जताया।

इससे पहले श्री थापक, नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष श्री प्रज्ञानंद चौधरी, महासचिव श्री रासविहारी, उपाध्यक्ष श्री रामभुवन सिंह कुशवाह तथा प्रादेशिकअध्यक्ष श्री सुरेश शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर होटल में कार्यकारिणी की बैठक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफमध्य प्रदेश केमहासचिव श्री ओमप्रकाश फरकिया समेत एनयूजे के वरिष्ठ नेता डा.एन के त्रिखा, श्री राजेन्द्र प्रभु, श्री एम डी गंगवार, एनयूजे कोषाध्यक्ष मनोहर सिहं, उपाध्यक्ष श्री प्रसन्न मोहंती, जितेन्द्र अवस्थी, एनयूजे सचिव संजय राठी, युगांधर रेड्डी, राजेश तोषनीवाल, ब्रह्मदत्त शर्मा और बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद थे। उद्घटन समारोह में एनयूजे की तरफ से भारतीय प्रेस परिषद में मनोनीत किए गए श्री उप्पला लक्ष्मण का सम्मान किया गया।

जंप की स्मारिका 'उड़ान' का विमोचन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के उद्घाटन सत्र में जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित की गई स्मारिका 'उड़ान' का विमोचन विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति श्री टीआर थापक और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने किया। स्मारिका का संपादन डॉ. नवीन जोशी, श्री अतुल पुरोहित, श्री पवन देवलिया, श्री महेंद्र दुबे तथा श्री चंपालाल गुर्जर ने किया है।

बैठक के पहले बिजनेस सत्र में विजयवाडा में संपन्न हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का कार्यवाही विवरण एनयूजे महासचिव श्री रासविहारी ने सदन के समक्ष रखा, जिसे बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा पारित किया गया। साथ ही महासचिव की रिपोर्ट सदन में रखी गई। पहले सत्र में ही राज्य इकाइयों की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की गई।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ आंध्र प्रदेश (जाप) के महासचिव मोहन यादव ने बताया कि संगठन के सदस्यों की संख्या 5000 तक करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) के अध्यक्ष श्री ललित शर्मा ने रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि जार की सदस्य संख्या लगातार बढ़ रही है। राज्य सरकार की तरफ से पत्रकारों को रोडवेज बसों में सुविधा दी गई है। साथ ही राज्य सरकार पत्रकारों केलिए हाउसिंग बोर्ड में आरक्षण भी प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री कल्याण कोष से बीमार और दुर्घटना में घायल होने वाले पत्रकारों आर्थिक सहायता भी जाती है।

एनयूजे (आई) उत्तराखंड के महासचिव श्री रविन्द्रनाथ कौशिक ने रिपोर्ट में बताया कि संगठन की सदस्य संख्या 500 हो गई है तथा अनेक जनपदों मे पत्रकारो के कल्याण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। 25 जून को एनयूजे (आई) के देशव्यापी आंदोलन के तहत जिला एवं राज्य मुख्यालयों पर प्रदर्शन किए गए। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया गया।

ओडिसा यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (ओयूजे) के